पाठ - 1

जग जीवन में जो चिर महान

विधा - कविता कवि - श्री सुमित्रानंदन पंत

प्र०1 शब्दार्थ

चिर महान	सदा महान रहने वाला
सत्य प्राण	सत्य स्वरूप
संशय	संदेह
अंध - भक्ति	तर्कहीन आस्था
अखिल व्यक्ति	सभी मनुष्य
चिर मुंदे	बहुत दिनों से बंद
उर	हृदय
परित्राण	रक्षा
विश्व	संसार
बिहान	सवेरा

प्र०2 लघु प्रश्न - उत्तर

प्रश्न कवि ने प्रभु से क्या - क्या माँगा है?

उत्तर कवि ने प्रभु से सदैव महान रहने वाला, सौंदर्यपूर्ण व सत्य स्वरूप माँगा है।

प्रश्न कवि किसका प्रेमी बनना चाहता है?

उत्तर कवि उसका प्रेमी बनना चाहता है जिससे मानव का हित हो सके।

प्र०3 नभ जीवन में नया सवेरा कवि क्यों लाना चाहता है?

उत्तर इस समय संसार में भय, संशय, तर्कहीन आस्था तथा भेदभाव का अंधकार व्याप्त है इसलिए कवि इन बुराइयों को दूर करके नया सवेरा लाना चाहता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न इस कविता के कवि का नाम बताओ।
उत्तर इस कविता के कवि का नाम श्री सुमित्रानंदन पंत है।

प्रश्न दीर्घ प्रश्न - उत्तर

प्रश्न कवि ने जीवन के लिए 'चिर महान' किसे कहा है?
उत्तर कवि ने जीवन के लिए 'चिर महान' ईश्वर को कहा है।

प्रश्न वह चिर महान को क्यों पाना चाहता है?
उत्तर वह चिर महान को इसलिए पाना चाहता है क्योंकि उसके द्वारा ही विश्व का कल्याण चाहता है जिससे संपूर्ण मानवता का समान रूप से हित हो सके।

प्रश्न कवि किस प्रकाश को पाना चाहता है?
उत्तर कवि उस प्रकाश को पाना चाहता है जिससे जीवन में प्रेमी शक्ति मिले कि भय, संदेह, तर्कहीन आस्था समाप्त हो जाए और उस प्रकाश में सभी मनुष्य मिल जाएँ।

प्रश्न मनुष्य के हृदय के स्वर्ग का द्वार चिरकाल से क्यों बंद है?
उत्तर संसार में भेदभाव व्याप्त है इसलिए मनुष्य के हृदय के स्वर्ग का द्वार चिरकाल से बंद है।

प्रश्न कवि ने उसे खोलने का कौन-सा रास्ता सुझाया है?
उत्तर कवि ने उसे खोलने के लिए भेदभाव रूपी अंधकार को प्रेमरूपी प्रकाश से भगा देने का रास्ता बताया है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न "जग जीवन में जो चिर महान" कविता की आठ पंक्तियाँ लिखिए।

जग जीवन में जो चिर महान,
सौंदर्य पूर्ण और सत्य प्राण,
मैं उसका प्रेमी बनूँ नाथ!
जिससे मानव हित हो समान।

जिससे जीवन में मिले शक्ति,
छूटे भय-संशय, अंध-भक्ति
मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ!
मिल जावे जिसमें अखिल व्यक्ति!

* किताब गतिविधियाँ

1) सही उत्तर पर (V) का निशान लगाओ -

क श्री सुमित्रानंदन पंत
ख दिशि - दिशि
ग स्वर्ग द्वार
घ अमरदान
ङ विश्व में

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो -

क) पाने की
ख) प्रेम भाव
ग) नया सवेरा
घ) संपूर्ण विश्व

3) दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ -

क) प्रकाश - कवि चारों ओर प्रकाश फैलाना चाहता है।
ख) हृदय - अपने हृदय में सबके लिए प्रेम रखो।
ग) चिरकाल - भेदभाव चिरकाल से चला आ रहा है।
घ) परित्राण - कवि मनुष्य का परित्राण बुराइयों से करना चाहता है।

Scanned with CamScanner

ङ) शक्ति - ईश्वर की शक्ति अद्भुत होती है।

4) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो।

1) अंधकार -	अँधेरा	तिमिर	तम
2) जीवन -	प्राण	अस्तित्व	जिंदगी
3) बिहान -	सुबह	प्रातःकाल	सवेरा
4) प्रकाश -	उजाला	द्युति	प्रभा

5) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाओ -

क) 'प्रेमी' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
अ) 'इ' प्रत्यय ☐ ब) 'ई' प्रत्यय ☑ स) 'ईय' प्रत्यय ☐

ख) 'परित्राण' का अर्थ है -
अ) परीक्षा ☐ ब) परिभाषा ☐ स) रक्षा ☑

ग) 'महान' शब्द है -
अ) संज्ञा ☐ ब) सर्वनाम ☐ स) विशेषण ☑

घ) 'नव' शब्द से तात्पर्य है -
अ) नैया ☐ ब) नंबर ☐ स) नवीन ☑

* रचनात्मक कौशल

1) श्री सुमित्रानंदन पंत जी की अन्य कविताएँ ढूँढकर लिखें और पढ़ो। [स्वकार्य]

Scanned with CamScanner